बरेली मण्डल की अल्पशिक्षित एवं उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में मानव मूल्यों के विकास स्तर का अध्ययन

डॉ. दीबा निशात

सार

बरेली मण्डल की अल्प शिक्षित एवं उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में अभिचेतना का विकासात्मक स्तर ज्ञात किया गया है। हम जानते हैं अभिचेतना जन्मजात नहीं होतो हैं समाज में विकसित की जाती है, और अभिचेतना को विकसित करने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। चृकि इस अध्ययन में विभिन्न शैक्षिक स्तरों से मुस्लिम महिलाएं चुनी गयी हैं। अतः उनके शैक्षिक स्तर का अभिचेतना के विकास स्तर पर महत्वपूर्ण प्रभाव देखा गया है। वर्तमान समय में स्त्रियों की शिक्षा के सम्बन्ध में पर्याप्त सुधार हुये हैं। पहले बहुत ही कम महिलायें पढ़ी लिखी होती थीं लेकिन आज महिलायें शिक्षा के क्षेत्र में निरन्तर आगे बढ़ रही है। वे पुरुषों के समान अपने राजनैतिक सामाजिक और आर्थिक अधिकारों की विषमता के लिए आन्दोलन करने लगीं, कुप्रथाओं के बन्धन शिथिल होने लगे। शिक्षित होने से उन्हें अपनी दुर्दशा का ज्ञान होने लगा और धीरे–धीरे प्राचीन रुढ़ियों, रीति–रिवाजों को छोड़कर महिलायें भी वैज्ञानिक, राजनीतिक, सामाजिक, व्यावसायिक सभी प्रकार की शिक्षा प्राप्त करने लगी। सरकार द्वारा भी विभिन्न छात्रवृत्तियों और शैक्षिक योजनाओं द्वारा लड़कियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी, इसके लिए सन् 1975 का वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष के रुप में मनाया गया और आठ मार्च को महिला दिवस के रुप में हर वर्ष मनाते हैं। **(वोहरा 1983, सिंह 2008)**

शिक्षित लड़कियों में उनकी शिक्षा के कारण ही सामाजिक चेतना जागृत होने लगी और आज बहुत सारी लडकियाँ उच्च शिक्षा प्राप्त करके विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवायें दे रही हैं।

समाज के सभी व्यक्तियों में धर्म, कर्तव्य, अधिकार, समाज के प्रति थोड़ी बहुत जागरुकता होती है परन्तु अभिचेतना जागरुकता से आगे का क्रम है, यह परिचय और प्रयोग के ज्ञान पर आधारित है। किसी समाज में अभिचेतना विकसित होती है तो शिक्षा, कर्तव्य, अधिकार, संचार, माध्यम, वयस्क मताधिकार का विकसित रुप देखने को मिलता है। वास्तव में अभिचेतना समाज में घटित होने वाली घटनाओं के प्रति एक समझ तथा दृष्टिकोण का विकसित रुप है। शिक्षा की रौशनी में अभिचेतना को विकसित किया जा सकता है। किसी भी समाज के आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक, सौन्दर्यात्मक, सैद्धान्तिक एवं पारिवारिक रुप से विकसित होने में अभिचेतना की अहम भूमिका होती है। चूँकि इस अध्ययन में अल्पशिक्षित, उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में अभिचेतना को ज्ञात करना है और हम सभी जानते हैं कि शिक्षा का सीधा सम्बन्ध अभिचेतना से होता है। किसी भी समाज के विकसित रुप में महिलाओं की भागीदारी होती है इसलिए महिलाओं की शिक्षा समाज के लिए बहुत अहम है। शिक्षा द्वारा ही अभिचेतना विकसित होती है और स्वयं एक व्यक्ति में समाज परिवार, अधिकार, कर्तव्य, राजनीतिक और सौन्दर्य के प्रति अभिचेतना विकसित होती है।

जैसे–सामाजिक तौर पर सभी महिलायें एक दूसरे के प्रति सहयोग एवं सद्भावना तो रखती है परन्तु रुढ़िवादिता एव अन्ध विश्वास का विरोध सभी महिलाएँ नहीं करती है और न ही इन कुप्रथाओं को छोड़ने के लिए वह तैयार होती है लेकिन शिक्षा एक मात्र ऐसा साधन है जिसको प्राप्त करके महिलाएँ सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठती है और दूसरी महिलाओं में अभिचेतना फैलान का प्रयास करती हैं।

अभिचेतना द्वारा मानव किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़कर अपना परचम लहरा सकता है और अपना भविष्य उज्जवल कर सकता है। किसी भी समाज का विकसित रुप वहाँ के निवासियों की अभिचेतना के कारण ही सम्भव हो पाता है। अभिचेतना एक समाज के विकास के लिए दिशा निर्देशन का कार्य करती है।

किसी भी समाज का विकसित रुप वहाँ के निवासियों की अभिचेतना के कारण ही सम्भव हो पाता है। अभिचेतना एक समाज के विकास के लिए दिशा निर्देशन का कार्य करतो है। किसी समाज के विकास में सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक, शैक्षिक, पारिवारिक रुप से अभिचेतना अहम भूमिका निभाती है।

प्रस्तुत अध्ययन में अल्पशिक्षित एवं उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं के अभिचेतना के विकास स्तर को ज्ञात किया गया।

इस्लाम धर्म को मानने वाली महिलाएं मुस्लिम महिलाएँ कहलाती है इस्लाम धर्म अर्थात् एक खुदा में विश्वास रखने वाला धर्म है। इस्लाम धर्म की पूरी शिक्षा ग्रहण करने वाली महिलायें आलिमा कहलाती है। इस्लाम धर्म के प्रवर्तक 'हजरत मोहम्मद साहब' ने महिलाओं की शिक्षा (इल्म) पर भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा था कि माता–पिता को अपनी लड़कियों को इल्म दिलवाना चाहिए। **(रफीक, 1996)** चूँकि शिक्षा द्वारा ही अभिचेतना विकसित होती ळें अतः इस अध्ययन में अल्प शिक्षित और उच्च शिक्षित महिलाओं के अभिचेतना के विकास स्तर का अध्ययन किया गया है।

उद्देश्य

1. बरेली मण्डल की अल्प शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में अभिचेतना के विकास स्तर का अध्ययन करना।
2. बरेली मण्डल की उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में अभिचेतना के विकास स्तर का अध्ययन करना।

परिकल्पना

अल्पशिक्षित मुस्लिम महिलाओं में अभिचेतना के विकास स्तर में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में अभिचेतना के विकास स्तर में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत अध्ययन सर्वेक्षण विधि पर आधारित है इस अध्ययन में अल्पशिक्षित एवं उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में अभिचेतना के विकास स्तर को ज्ञात करन के लिए सर्वेक्षण विधि द्वारा आँकड़ों को एकत्रित किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए बरेली मण्डल के चारो जिलों (बरेली, शाहजहाँपुर, पीलीभीत, बदायूँ) से 205 अल्पशिक्षित एवं उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं को लिया गया है। यह महिलायें असम्यभाव्य प्रविधि के उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्श विधि द्वारा चुनी गयीं हैं।

बरेली मण्डल

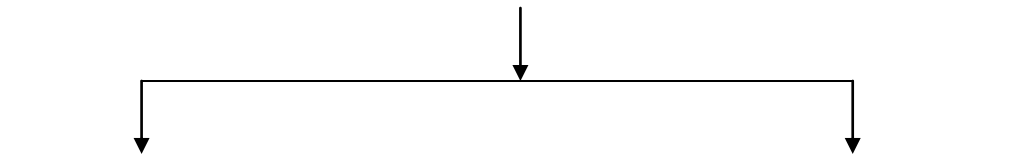

उपकरण

प्रदत्तों के संकलन हेतु शोधकर्ती द्वारा स्वयं उपकरण का निर्माण किया गया है। अभिचेतना के अध्ययन हेतु स्वनिर्मित अभिचेतना मापनी में अभिचेतना से सम्बन्धित छः आयाम रखे गये हैं। सैद्धान्तिक, आर्थिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक अभिचेतना। और प्रत्येक आयाम में पांच–पांच कथन दिये गये हैं। कुल कथन 30 रखे गये है।।

विवरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में बरेली मण्डल की अल्पशिक्षित एवं उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं को न्यादर्श के रुप में चुना गया है। आँकड़ों के संकलन के पश्चात् आँकड़ों का विश्लेषण किया गया है। जिन्हें तालिकाओं में दर्शया गया है, जो निम्नवत् है–

तालिका सं0–01 : बरेली मण्डल की अल्प शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में अभिचेतना के विकास स्तर का अध्ययन (N=99)

विकासात्मक स्तर/अभिचेतना	सैद्धान्तिक अभिचेतना	आर्थिक अभिचेतना	सौन्दर्यात्मक अभिचेतना	सामाजिक अभिचेतना	राजनैतिक अभिचेतना	धार्मिक अभिचेतना
उच्च स्तर 13 से अधिक	80.80% (80)	64.64% (64)	74.74% (74)	76.76% (76)	40.40% (40)	77.77% (77)
औसत स्तर 10–12	17.17% (17)	33.33% (33)	24.24% (24)	22.22% (22)	54.54% (54)	20.20% (20)
निम्न स्तर 0–9 तक	2.02% (2)	2.02% (2)	1.01% (1)	1.01% (1)	5.05% (5)	2.02% (2)

तालिका संख्या 01 का ग्राफ

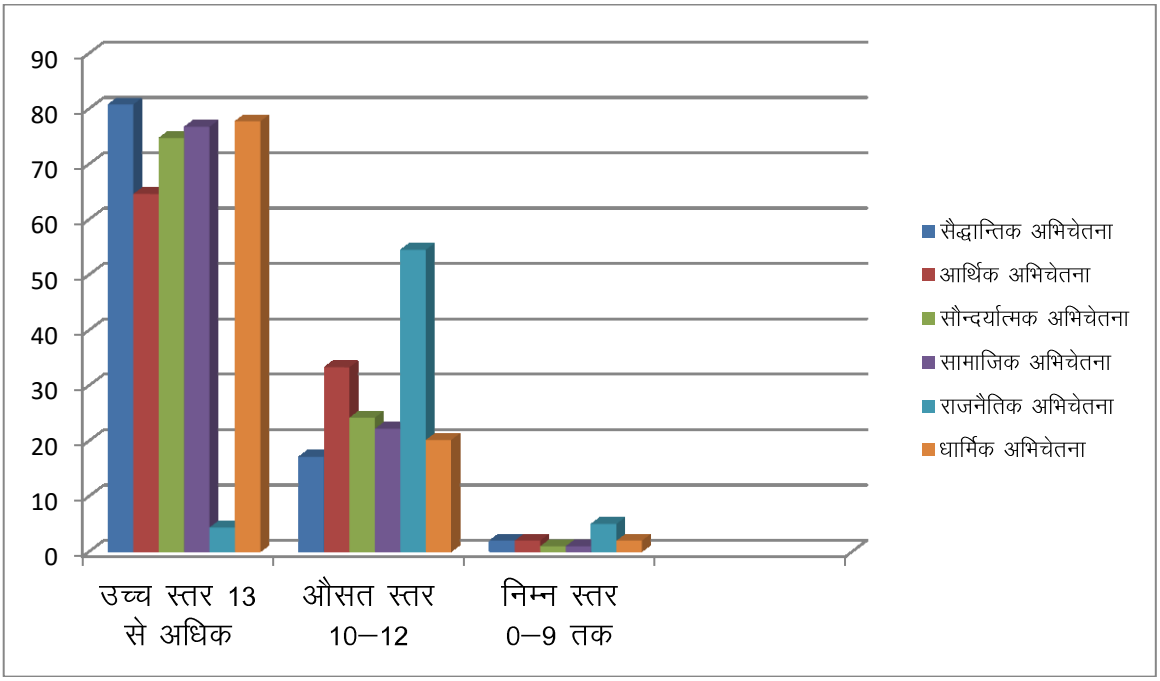

तालिका संख्या 01 पर दृष्टिपात करने से ज्ञात होता है कि बरेली मण्डल की 80.80 प्रतिशत अल्प शिक्षित (प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक स्तर) मुस्लिम महिलाएँ ऐसी है। जिनमें उच्च स्तर पर सैद्धान्तिक अभिचेतना विकसित है। 17.17 प्रतिशत अल्प शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में औसत स्तर पर एवं केवल 2.02 प्रतिशत महिलाओं में निम्न स्तर पर सैद्धान्तिक अभिचेतना पाई गई है।

तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि बरेली मण्डल की 64.64 प्रतिशत अल्पशिक्षित मुस्लिम महिलाओं में आर्थिक अभिचेतना उच्च स्तर पर विकसित ज्ञात हुई है। 33.33 प्रतिशत महिलाऐं ऐसी है। जिनमें आर्थिक अभिचेतना औसत स्तर की ज्ञात हुयी है। केवल 2.02 प्रतिशत महिलाऐं ऐसी हैं जिनमें आर्थिक अभिचेतना निम्न स्तर पर ज्ञात हुयी है।

तालिका को देखने से पता लगता है कि बरेली मण्डल की 74.74 प्रतिशत अल्प शिक्षित मुस्लिम महिलाओ में सौन्दर्यात्मक अभिचेतना उच्च स्तर पर ज्ञात हुये है एवं 24.24 प्रतिशत अल्प शिक्षित महिलाऐं ऐसी हैं। जिनमें औसत स्तर पर सौन्दर्यात्मक अभिचेतना विकसित पाई गई। केवल 1.01 प्रतिशत अल्प शिक्षित महिलाओं में सौन्दर्यात्मक अभिचेतना निम्न स्तर पर प्राप्त हुयी है।

तालिका से स्पष्ट होता है कि बरेली मण्डल की 76.76 प्रतिशत अल्पशिक्षित मुस्लिम महिलाओं में सामाजिक अभिचेतना उच्च स्तर की विकसित ज्ञात हुयी है और 22.22 प्रतिशत अल्प शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में सामाजिक अभिचेतना औसत स्तर की प्राप्त हुयी है। केवल 1.01 प्रतिशत महिलाओं में ही सामाजिक अभिचेतना निम्न स्तर की है।

तालिका एवं ग्राफ के आँकड़ें प्रदर्शित करते है कि 70.75 प्रतिशत उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में राजनैतिक अभिचेतना उच्च स्तर की विकसित ज्ञात हुयी है। 28.30 प्रतिशत उच्च शिक्षित महिलाओं में औसत स्तर की एवं केवल 0.94 प्रतिशत महिलाओं में निम्न स्तर पर राजनैतिक अभिचेतना पायी गई है।

तालिका एवं ग्राफ के अवलोकन से ज्ञात होता है कि बरेली मण्डल की 89.62 प्रतिशत उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में धार्मिक अभिचेतना उच्च स्तर की विकसित प्राप्त हुयी है। 7.54 प्रतिशत उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में औसत स्तर की एवं 2.83 प्रतिशत महिलाओं में निम्न स्तर की धार्मिक अभिचेतना ज्ञात हुयी है।

तालिका सं.–02 : बरेली मण्डल की उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में अभिचेतना के विकास स्तर का अध्ययन (N=106)

विकासात्मक / अभिचेतना	सैद्धान्तिक अभिचेतना	आर्थिक अभिचेतना	सौन्दर्यात्मक अभिचेतना	सामाजिक अभिचेतना	राजनैतिक अभिचेतना	धार्मिक अभिचेतना
उच्च स्तर 13 से अधिक	95.28% (101)	80.18% (85)	89.62% (95)	92.45% (98)	70.75% (75)	89.62% (95)
औसत स्तर 10–12	3.77% (4)	18.86% (20)	9.43% (10)	7.54% (8)	28.30% (30)	7.54% (8)
निम्न स्तर 0–9 तक	0.94% (1)	0.94% (1)	0.94% (1)	-	0.94% (1)	2.83% (3)

तालिका संख्या 02 का ग्राफ

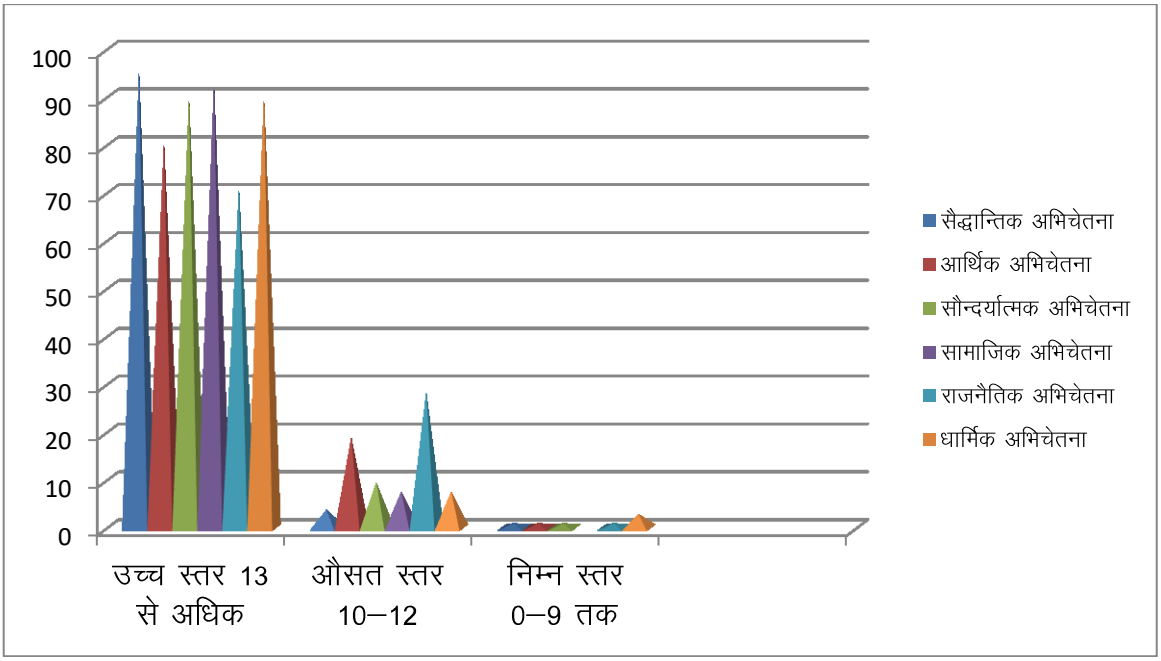

तालिका संख्या 02 के अवलोकन से ज्ञाता होता है कि बरेली मण्डल 95.28 प्रतिशत उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में सैद्धान्तिक अभिचेतना उच्च स्तर की विकसित प्राप्त हुयी है और 3.77 प्रतिशत महिलाओं में औसत स्तर की एवं 0.94 प्रतिशत महिलाओं में निम्न स्तर की सैद्धान्तिक अभिचेतना ज्ञात हुयी है।

तालिका पर दृष्टिपात करने से स्पष्ट है कि बरेली मण्डल की 80.18 प्रतिशत उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में आर्थिक अभिचेतना उच्च स्तर पर विकसित है और 18.86 प्रतिशत महिलाओं में औसत स्तर पर और केवल 0.94 प्रतिशत में आर्थिक अभिचेतना निम्न स्तर पर विकसित प्राप्त हुयी है।

तालिका एवं ग्राफ को देखने से ज्ञात होता है कि बरेली मण्डल की 89.62 प्रतिशत उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओ में सौन्दर्यात्मक अभिचेतना उच्च स्तर पर एवं 9.43 प्रतिशत मुस्लिम महिलाओं में औसत स्तर पर विकसित ज्ञात हुयी है। केवल 0.94 प्रतिशत में निम्न स्तर पर सौन्दर्यात्मक अभिचेतना ज्ञात है।

तालिका से स्पष्ट होता है कि बरेली मण्डल की 92.45 प्रतिशत उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में सामाजिक अभिचेतना उच्च स्तर की विकसित है और केवल 7.54 प्रतिशत महिलाओं औसत स्तर को सामाजिक अभिचेतना ज्ञात हुयी है। किसी भी उच्च शिक्षित महिला में निम्न स्तर पर सामाजिक अभिचेतना प्राप्त नहीं हुयी है।

तालिका एवं ग्राफ के आँकड़ें प्रदर्शित करते है कि 70.75 प्रतिशत उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में राजनैतिक अभिचेतना उच्च स्तर की विकसित ज्ञात हुयी है। 28.30 प्रतिशत उच्च शिक्षित महिलाओं में औसत स्तर की एवं केवल 0.94 प्रतिशत महिलाओं में निम्न स्तर पर राजनैतिक अभिचेतना पायी गई है।

तालिका एवं ग्राफ के अवलोकन से ज्ञात होता है कि बरेली मण्डल की 89.62 प्रतिशत उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में धार्मिक अभिचेतना उच्च स्तर की विकसित प्राप्त हुयी है। 7.54 प्रतिशत उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में औसत स्तर की एवं 2.83 प्रतिशत महिलाओं में निम्न स्तर की धार्मिक अभिचेतना ज्ञात हुयी है।

निष्कर्ष एवं सुझाव

अल्प शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में सैद्धान्तिक अभिचेतना, आर्थिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, धार्मिक अभिचेतना उच्च स्तर की विकसित ज्ञात हुयी है, जबकि राजनैतिक अभिचेतना औसत स्तर की पाई गई है।

उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में सैद्धान्तिक, आर्थिक, सौन्दर्यात्मक अभिचेतना, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक अभिचेतना उच्च स्तर की विकसित ज्ञात हुयी है।

अल्प शिक्षित एवं उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में सैद्धान्तिक, आर्थिक अभिचेतना के विकास के स्तर में समानता प्राप्त हुयी है। जबकि उच्च शिक्षित मुस्लिम महिलाओं में राजनतिक अभिचेतना अल्प शिक्षित मुस्लिम महिलाओं के अपेक्षा विकसित ज्ञात हुई है।

उपरोक्त अध्ययन के आधार पर हम कह सकते है कि अभिचेतना के विकास में निःसंदेह शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अतः शिक्षा के परिणामस्वरुप ही अभिचेतना पूर्ण विकसित होते हैं। यदि मुस्लिम महिलाओं को उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर किया जाये तो उनमें अभिचेतना का सर्वोत्तम विकास किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त लड़कियों की शिक्षा के सभी स्तरों पर शैक्षिक पाठ्यक्रम में अभिचेतना को विशेष स्थान दिया जाना चाहिए। ताकि आरम्भ से ही उनमें अभिचेतना की समझ पैदा होने लगे। जिससे कि वो भविष्य में अपने जीवन मे अभिचेतना को पूर्ण विकसित कर पायें।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. वोहरा, आशारानी (1983). नारी शोषण आइने और आयाम, भारतीय नारी :*दशा और दिशा,* नई दिल्ली; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, पृ. 9, 190, 193
2. इकबाल, रफीक (1996). पैगम्बर हजरत मोहम्मद, जीवन और मिशन, इलाहाबाद; लोक भारती प्रकाशन, पृ. 119–128
3. ओझा, एस0के0 (2002). सामान्य अध्ययन विशेषांक, जनसंख्या एवं नगरीकरण, जनगणना 2011, परीक्षावाणी, इलाहाबाद; बौद्धिक प्रकाशन, पृ. 9, 10, 20, 21, 22, 27, 28
4. मिश्र, श्री निवास (2008). भारतीय महिलाओं की सामाजिक'–आर्थिक स्थिति भारतीय नारी *: वर्तमान समस्यायें और भावी समाधान,* नई दिल्ली; ए

.पी.एच. पब्लिशिंग कारपोरेशन, पृ. 140, 141

5. शुक्ला, डी.पी. एवं शुक्ला, उषा (2008). वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय नारी समस्याओं से समाधान तक, भारतीय नारी :*वर्तमान समस्यायें और भावी समाधान,* नई दिल्ली; ए .पी. एच. पब्लिशिंग कारपोरेशन, पृ.140, 141

6. सिंह, ए .के.(2008). भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति एवं विकास में योगदान, डॉ. आर.पी. तिवारी एवं डॉ.डी.पी. शुक्ला, (सम्पादक) भारतीय नारी : *वर्तमान समस्यायें और भावी समाधान,* नई दिल्ली, ए .पी.एच. पब्लिशिंग कारपोरेशन, पृ. 31–32

7. हमारी आदर्श नारियाँ (2009). झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, एच.टी.एम.एल. सामग्री क्रियेटिव कामन्स एट्रीब्यूशन/शेयर अलाइक लाइसेन्स के तहत उपलब्ध

8. भारतीय शोध पत्रिका (2009). वाल्यूम 28, नं.–2, जुलाई–दिसम्बर, ISSN 0970-7603, पब्लिशड वाई इण्डियन इन्सटीट्यूट ऑफ एजुकेशन रिसर्च, लखनऊ; सरस्वती कुंज निराला नगर

9. चतुर्वेदी आर. एवं खण्डाई एच. (2011). शोध कार्यों की पृष्ठभूमि, मूल्य शिक्षा, नई दिल्ली; ए.पी.एच. पब्लिशिंग कारपोरेशन दरिया गंज, पृ. 13, 14

10. शेख, एम.यू.बी. एवं जहाँ (2013). सच्चर कमेटी रिपोर्ट (2006), वाल्यूम 2, न.–4, www.confebjournals.com/images/6520/381437, pdf, pp. 53, 54